

व्यावहारिक हिन्दी
(BBA-12)

Total Marks: 100
External: 80
Internal: 20
Time Allowed: 3 Hours

उद्देश्य: प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य व्यवसाय एवं प्रबंधन से जुड़े विद्यार्थियों को राजभाषा हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम विषय वस्तु:

Unit 1 राज भाषा अधिनियम, राष्ट्रपति के अध्यादेश तथा केंद्रीय सरकार की हिन्दी शिक्षण योजना।

Unit 2 पत्राचार के विविध रूप (मूल पत्र, पत्रोत्तर, पावती, अनुस्मारक, अर्ध-सरकारी ज्ञापन, परिपत्र, आदेश, पृष्ठांकन, अंतः विभागीय टिप्पणी, निविदा सूचना, विज्ञापन, प्रैस विज्ञप्ति, प्रैस नोट, प्रतिवेदन)।

Unit 3 अनुवाद: स्वरूप, प्रकृति, प्रक्रिया, वर्गीकरण, व्यावहारिक अनुवाद (प्रदत्त अंग्रेजी/हिन्दी अनुच्छेद का अनुवाद); पल्लवन: परिभाषा, प्रक्रिया और गुण।

Unit 4 संक्षेपण: परिभाषा, विधि और गुण; पारिभाषिक शब्दावली (मंत्रालयों, उपक्रमों, निगमों, बैंकों, रेलवे-क्षेत्रों, रेडियो तथा दूरदर्शन में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दों एवं व्यक्त्यांशों का अध्ययन; निबंध लेखन: महंगाई, कालाधन, बैंक और वाणिज्य, लघु उद्योग, श्रमिक असंतोष, विज्ञापन और व्यवसाय।

संदर्भग्रन्थ:

- प्रयोजन मूलक हिन्दी, राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।
- अनुवाद विज्ञान, राजमणि शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला।
- प्रयोजन मूलक हिन्दी के छः अध्याय, दर्शन कुमार जैन, लिपि प्रकाशन, अंबाला छावनी।

Note:

1. The evaluation of students consists of both internal and external evaluation. Internal evaluation includes class test (05 marks) covering two units of the syllabus, two assignments (05 marks each) and class attendance (05 marks). The external evaluation includes end-term examination of 80 marks covering the whole syllabus.
2. For end-term examination, the examiner is required to set nine questions in all. The first question will be compulsory consisting of short-answer questions (2 marks each) covering the entire syllabus. In addition, eight more questions will be set unit-wise comprising two questions from each unit. The students shall be required to attempt five questions in all selecting one question from each unit including the compulsory question. All questions carry equal marks.